R.N.I.- UP-HIN/2001/3996
ISSN- 2581-6128

स्थापन दिवस के 23वें वर्ष में प्रवेश

संयम • संस्कार • सन्तुलन

# शहर समता

(हिंदी साप्ताहिक)

शोध पत्र

www.shaharsamta.com

'कर्मक्षेत्र रणभूमि यही है, मानव हो तुम कर्म करो।
कर्म से कभी विमुख न रहना, मन में यह संकल्प करो।'-
*उमेश श्रीवास्तव*

संस्थापकः स्व0 कन्हैया लाल, स्व0 श्रीमती साधना श्रीवास्तव
सम्पादकः उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

*स्थापना दिवस विशेषांक*

वर्ष 23 | अंक 51 | रविवार, इलाहाबाद, 19 मई 2024 | पृष्ठ 4 | विशेषांक मूल्यः 3 रू0

## संपादकीय

### स्थापना दिवस विशेषांक

**अपनी बात बताऊँ कैसे?**
**कोई राज छुपाऊं कैसे।**
**जो भी बोया वही मिलेगा,**
**यह जो सत्य गिनाऊँ कैसे।**

तो बात शहर समता समाचार पत्र के विकास यात्रा की है। आज शहर समता समाचार पत्र 24वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस यात्रा की साल दर साल उपलब्धियां बताने में कई किताबें बन जाएंगी। इसलिए 24 बरस के विकास यात्रा की कुछ महत्वपूर्ण बातें ही बताऊंगा। जब हमने समाचार पत्र का शीर्षक लिया तब सिर्फ साप्ताहिक निकालने का उद्देश्य था, लेकिन बाद

में समाचार पत्र की लोकप्रियता को देखते हुए मन में विचार आया, कि क्यों न इसे दैनिक भी कर दूं। काफी सोच-विचार के बाद इसे हमने दैनिक भी कर दिया। साप्ताहिक और दैनिक शहर समता का प्रकाशन करना उतना सरल नहीं था, क्योंकि पत्र निकालने में जो धन लगता है वह हम जैसे साधारण जनजीवन जीने वालों वाले के लिए बहुत मुश्किल कार्य था। लेकिन कहा गया है कि जब दृढ़ इच्छा शक्ति प्रबल हो तो धन आड़े नहीं आता। बहरहाल काफी उतार-चढ़ाव, ठगी लोगों के द्वारा ठगने के बावजूद मैं अपने कर्तव्य पथ पर डटा रहा और उसी का नतीजा है कि शहर समता समाचार पत्र आज अपना 24वां प्रवेश वर्ष का पर्व मना रहा है।

**अनुभव और सहयोग से, काम हो गया भाई ,**
**जिनका भी सहयोग रहा, उनको बहुत बधाई ।**

शहर समता दैनिक जहां 8 पेज में ही आज के गजब के माहौल में पत्रकारिता के मूल्य का काफी हद तक निर्वहन कर रहा है। जबकि हिंदी साप्ताहिक शहर समता अपने साहित्यिक विशेषांक के चलते पूरे देश-प्रदेश-विदेश में अपना आसमान बनाने की ओर अग्रसर है। अब तक शहर समता के 135 से ऊपर साहित्यिक विशेषांक आ चुके हैं। विशेषांकों की यह यात्रा आगे भी जारी रहेगी।

सम्मान समारोह और स्थापना दिवस पर जिन 21 महिला रचनाकारों को सम्मानित किया जा रहा है, हम उन्हें हृदय की गहराइयों से बधाई देते हैं और कामना करते हैं कि वह अपनी-अपनी रचनात्मक यात्रा जारी रखें।

अंत में -

**जो भी जनमन साथ हैं ,**
**उनको मिले अशीष ।**
**यही कामना है मेरी ,**
**सभी बने जगदीश ।**

**-उमेश श्रीवास्तव**

# 'हिन्दी पत्रकारिता का नया अध्याय : शहर समता'

**प्रो0 (डॉ0) सविता कुमारी श्रीवास्तव**

**हिन्दी पत्रकारिता का अपना एक इतिहास रहा है। अपने उद्भव काल से लेकर देश की स्वाधीन चेतना में राष्ट्रीयता का अलख जगाने का कार्य हिन्दी पत्रकारिता ने जिस क्रांति स्वर के साथ किया, वह अविस्मरणीय है। हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की कड़ी में एक नया अध्याय जोड़ता हुआ प्रयागराज की धरती पर जन्म लेने वाला 'शहर समता' समाचार पत्र का नाम भी महत्वपूर्ण है। इस पत्र का उद्भव 20 मई सन् 2001 में हुआ।**

पत्रकारिता सामाजिक संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। पत्रकारिता के माध्यम से ही राष्ट्रीय एवम् अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान- विज्ञान, तकनीकी व सामाजिक, साहित्यिक, धार्मिक एवम् सांस्कृतिक क्षेत्र के विभिन्न संदर्भों में जानकारी प्राप्त होती है। पत्रकारिता का मिशन सत्य का उद्घाटन करना होता है। पत्रकारिता एवम् जनमाध्यम मानवीय अभिव्यक्ति के विस्तारित उपकरण हैं। साथ ही मानवीय चेतना को जागृत करने की सशक्त एवम् सक्षम सामाजिक संस्थाएं भी हैं। पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता दो या अधिकाधिक समूहों के मध्य संबंध स्थापित करना है।

हिन्दी पत्रकारिता का अपना एक इतिहास रहा है। अपने उद्भव काल से लेकर देश की स्वाधीन चेतना में राष्ट्रीयता का अलख जगाने का कार्य हिन्दी पत्रकारिता ने जिस क्रांति स्वर के साथ किया, वह अविस्मरणीय है। हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की कड़ी में एक नया अध्याय जोड़ता हुआ प्रयागराज की धरती पर जन्म लेने वाला 'शहर समता' समाचार पत्र का नाम भी महत्वपूर्ण है। इस पत्र का उद्भव 20 मई सन् 2001 में हुआ। इसका प्रारंभ पहले साप्ताहिक पत्र के रूप में हुआ बाद में 16 सितंबर 2004 से दैनिक रूप में भी प्रकाशित होने लगा। स्पष्ट है कि यह पत्र दैनिक एवं सप्ताहिक दोनों रूपों में प्रकाशित होता है। ई-अखबार के रूप में भी यह पत्र उपलब्ध है, जिससे देश के कोने- कोने में इसकी ख्याति फैल रही है। इसके सम्पादक आदरणीय उमेश चंद्र श्रीवास्तव जी हैं। एक प्रखर पत्रकार के सारे गुण उमेश जी के व्यक्तित्व में समाहित हैं। पत्रकार एवं सम्पादक के साथ ही वे एक उच्च कोटि के साहित्यकार भी हैं। कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध, संस्मरण आदि साहित्य की अनेक विधाओं पर उनकी लेखनी निरंतर चल रही है। साहित्यिक सेवा में संलग्न उमेश जी ने 'शहर समता' समाचार पत्र को नए-नए संदर्भों से जोड़ा है।

शहर समता समाचार पत्र का अपना एक साहित्यिक मंच है, जो 'शहर समता विचार मंच' के नाम से संचालित है। यह विगत कई वर्षों से ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों रूपों में संचालित हो रहा है। इस मंच से मासिक महिला काव्य गोष्ठियाँ एवं पुरुष काव्य गोष्ठियाँ , व्रत एवं त्योहार पर केंद्रित गोष्ठियाँ एवं साहित्यकारों की जयंती से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन होता रहता है। एवम् संबंधित साहित्यकारों की रचनाओं को शहर समता साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाता है। वर्ष भर इस पत्र की सक्रियता निरंतर बनी रहती है। स्पष्ट है कि शहर समता हिन्दी साप्ताहिक/दैनिक समाचार पत्र निरंतर साहित्य सेवा में संलग्न है एवं पत्रकारिता के धर्म को बहुत ही अच्छे ढंग से निभा रहा है। 20 मई 2024 को यह पत्र 24वें वर्ष में प्रवेश करेगा। 20 मई 2024 को शहर समता समाचार पत्र का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। निश्चित रूप से इस पत्र का योगदान हिन्दी भाषा के उत्थान के लिए बहुत अधिक है। इन 24 वर्षों में शहर समता समाचार पत्र ने साहित्य के विविध विधाओं की लेखन सामग्री को प्रकाशित कर साहित्यिक पत्रकारिता की दिशा में अपनी महत्ता प्रतिपादित की है। हिन्दी साहित्य की सेवा में संलग्न यह पत्र पांच प्रकार के विशेषांकों का प्रकाशन कर रहा है। उमेश श्रीवास्तव जी के संपादकीय लेख इन अंको में उच्चकोटि के होते हैं। इन विशेषांकों में साहित्यकारों पर केंद्रित विशेषांक, नवांकुर विशेषांक, विचार-विमर्श विशेषांक, कवि और कविता विशेषांक एवं महिला/पुरुष का भी गोष्ठी विशेषांक उल्लेखनीय हैं।

महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक के प्रकाशन की शुरुआत सन् 2018 से किया गया। शहर समता मंच ने राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की अनेक इकाइयों का निर्माण किया है। जिसमें देश के अनेक राज्य समाहित हैं, यथा उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मेघालय, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़ तथा दिल्ली आदि हैं। राष्ट्रीय स्तर पर निर्मित इन विभिन्न इकाइयों के अंतर्गत महिला काव्यगोष्ठी का आयोजन होता रहता है। इन इकाईयों की जिलापदाधिकारियों में महिलाओं की सहभागिता बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। वर्ष भर ये सभी इकाईयां काफी सक्रिय रहती हैं एवं साहित्य की अनेक विधाओं में कविता, कहानी, उपन्यास, संस्मरण, लेख, आत्मकथा पद्य में गीत, गजल, दोहे, हाइकू एवं भारतीय संस्कृति परिचायक लोकगीत में लेखन कार्य करते हुए अपनी महत्ता प्रतिपादित करते हुए योगदान देती हैं। शहर समता महिलाओं की रचनाओं को प्रकाशित कर उनका सम्मान करता है। शहर समता समाचार पत्र महिलाओं की रचनाओं को प्रकाशित कर उनकी छुपी व दबी हुई प्रतिभा को समाज के सम्मुख लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। इसके माध्यम से शहर समता उन महिलाओं के व्यक्तित्व को संवारने का अतुलनीय कार्य कर रहा है। शहर समता का यह साहित्य योगदान हिन्दी भाषा एवं साहित्य को और भी समृद्ध कर रहा है। आज भूमंडलीकरण के दौर में तकनीकी युग से जोड़ने का कार्य भी शहर समता मंच कर रहा है, महिलाओं की राष्ट्रीय स्तर की इकाईयां इस बात का प्रमाण हैं। राष्ट्रीय स्तर पर यह पत्र अपनी ख्याति फैला रहा है। शहर समता महिलाओं के लेखन के संदर्भ प्रोत्साहन हेतु उन्हें अनेक तरह के सम्मानों से सम्मानित भी करता है, यह सम्मान उनके उत्कृष्ट लेखन के लिए होता है। इन सम्मानों में 'महिला श्री साधना सम्मान', 'सावित्री देवी सम्मान', 'शहर समता गौरव सम्मान', 'कन्हैयालाल स्मृति सम्मान' एवं सन् 2024 से 'साहित्य दीप सम्मान' महत्वपूर्ण हैं।

शहर समता समाचार पत्र द्वारा प्रदत्त कुछ सम्मानों में पुरस्कार स्वरूप धनराशि भी प्रदान की जाती है। इन सम्मानों के परिप्रेक्ष्य में कहा जा सकता है कि शहर समता एक ऐसा उत्कृष्ट कोटि का पत्र है जो कि साहित्यकारों के लेखन को बढ़ावा देने, प्रोत्साहन देने एवम् महत्व प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रक्खा है। पत्रकारिता में संप्रेषणीयता का गुण महत्वपूर्ण होता है, शहर समता इसमें खरा उतरता है। शहर समता साझा संकलन के परिप्रेक्ष्य में 'कलम बोल ती है' पुस्तक का संपादन किया है। आगे भी यह इस कार्य में संलग्न रहेगा, ऐसी योजना है। स्पष्ट है कि शहर समता दैनिक/साप्ताहिक पत्र प्रयागराज का अत्यंत महत्वपूर्ण पत्र है। इस पत्र ने कई नयी-नयी योजनाओं के अंतर्गत कार्यक्रम कराने, प्रकाशन करने की दृष्टि से पत्रकारिता जगत में अतुलनीय योगदान किया है और आगे भी करता रहेगा। उक्त उपादेयता हेतु शहर समता समाचार पत्र के सम्पादक व सम्पादक मंडल के समस्त सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामना।

**प्रोफेसर हिन्दी**
**हेमवती नन्दन बहुगुणा**
**राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय -**
**नैनी, प्रयागराज।**
**मोबाइल -9450605166**

# हिन्दी साप्ताहिक शहर समता समाचार पत्र चौबीसवें वर्ष में प्रवेश

**डा0 नीलिमा मिश्रा**

इक्कीसवीं शताब्दी की शुरुआत के साथ 20 मई सन् 2001 में स्थापित हिंदी दैनिक/ साप्ताहिक शहर समता समाचार पत्र आज अपने चौबीसवें स्थापना दिवस में प्रवेश कर गया। इस प्रतिष्ठित समाचार पत्र के सम्पादक श्री उमेश श्रीवास्तव का कहना है कि समाचार पत्र का अनवरत प्रकाशन कर पाना उनके लि ए बहुत बड़ी चुनौती थी जबकि आज सोशल मीडिया के दौर में पाठकों का बहुत बड़ा वर्ग न्यूज़ चैनल और यू ट्यूब के मोहपाश में बंध चुका है, ऐसे में लोगों की समाचार पत्रों को पढ़ने की प्रवृत्ति काफ़ी कम हुई है। लेकिन तमाम उतार-चढ़ावों से गुज़रता हुआ यह समाचार पत्र अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ रहा है।वर्तमान में न सिर्फ़ शहर समता के दैनिक अखबार के साथ ही साथ विशेषांकों को भी प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके छह प्रकार हैं। जिसमें सर्वाधिक लोकप्रिय हैं कवियों/ रचनाकारों पर केंद्रित विशेषांक (हर माह 8 पेज )जिसमें लगभग 130 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के रचनाकारों पर विशेषांक प्रकाशित किए जा चुके हैं।इस विशेषांक के लिए कम से कम 8 लेख रचनाकार के व्यक्तित्व- कृतित्व पर आधारित,रचनाकार की एक कहानी या लेख और 15-25 कविताएँ,रचनाकार के आत्मसंषर्ष के साथ छपती हैं।इस विशेषांक में जो रचनाकार शामिल हैं उनमें प्रमुख हैं - सर्वप्रथम प्रकाशित अंक श्री मुनीन्द्र नाथ श्रीवास्तव जी का, इसके अलावा मुंशी प्रेमचंद, श्री शैलेष मटियानी, डा0 नामवर सिंह, श्री काशी नाथ सिंह ,श्री दूधनाथ सिंह, शायर साहिर लुधियानवी, श्री गोपाल दास नीरज, श्री अजित पुष्कल, डा0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र,डा0 परमानंद सिंह,श्री तलब जौनपुरी, श्री मुकुल मतवाला, श्री रविनंदन सिंह, प्रो0 रवि कुमार मिश्र, डा0 सुनील विक्रम सिंह, श्री, नंदल हितैषी, डा0 शम्भुनाथ त्रिपाठी,अंशुल, श्री प्रकाश मिश्र, श्री योगेन्द्र मिश्र, डा0 देवी प्रसाद कुँवर, डा0 महेंद्र नारायण अवस्थी, श्री ज्ञान प्रकाश जी ,श्री मत्स्येंद्र शुक्ल, पं0 उदयशंकर दुबे आदि ,

कवि और कविता विशेषांक (हर माह चार पेज का अंक )इसमे महिला और पुरुष कवियों/ कवयित्रियों पर आधारित अंक को प्रकाशित किया जाता है जिसमें प्रमुख हैं श्री यशवंत सिंह, यश, श्री राम कैलाश पाल पयागी, श्रीमती ललिता नारायणी पाठक, श्रीमती जया मोहन, श्रीमती अनामिका पांडेय,अना इलाहाबादी, डा0 अर्चना पांडेय, सम्पदा मिश्रा, श्रीमती रेनू मिश्रा, दीपशिखा, श्रीमती रचना सक्सेना आदि ।

शहर समता महिला काव्यमंच गोष्ठी विशेषांक (हर माह चार पेज )जिसमें पूरे भारतवर्ष की महिला काव्यमंच इकाई की 12-15 महिला रचनाकारों की एक-एक रचनाओं को शामिल किया जाता है और एक महिला रचनाकार पर विश्लेषण ( लेख) छपता है।

**नवांकुर काव्यगोष्ठी विशेषांक(हर माह चार पेज) में नये और पुराने कवियों की रचनाओं को विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जाता है साथ ही तीन समीक्षकों द्वारा उनकी रचनाओं पर टिप्पणियाँ भी छपती हैं।**

**विमर्श विशेषांक हर तीसरे माह ( आठ पेज का) इसमें चार पेज इतिहास खंड और चार पेज आज के दौर की कविता, कहानी, लेख, पुस्तक समीक्षा ,महिला विमर्श, पुरुष विमर्श, विकलांग विमर्श प्रमुख है।**

पुरुष काव्य गोष्ठी विशेषांक (हर माह आठ पेज) में पुरुष गोष्ठी में शामिल कवियों की रचनाओं को विशेषांक के रूप में प्रकाशित करने का सफल प्रयास किया जा रहा है साथ ही एक कवि पर विश्लेषण ( लेख) भी छपता है।

स्मृति शेष रामायण प्रसाद पाठक की किताब गीत ग़ज़ल एवं नग़मे का विमोचन शहर समता मंच के तत्वावधान में किया गया।इसके अलावा शहर समता मंच द्वारा वर्ष 2022 में महिला श्री सम्मान सीमा वर्णिका को प्रदान किया गया,शहर समता गौरव सम्मान मधु पाठक, चित्रा श्रीवास्तव, गीता सिंह,अर्चना चौहान और डा0 अर्चना जैन को प्रदान किया गया। वर्ष 2023 का महिला श्री सम्मान रचना सक्सेना को दिया गया और कन्हैया लाल स्मृति सम्मान2023 डा0 अरुण कुमार, डा0 सुनील विक्रम, भोलेनाथ कुशवाहा, सीमा वर्णिका, डा0 चुम्मन प्रसाद श्रीवास्तव को प्रदान किया गया । शहर समता अखबार आज पूरे भारत वर्ष में जाना-पहचाना जा रहा है और इसका सरकुलेशन निरंतर बढ़ रहा है। यह समाचार इस समाचार पत्र के लिए बहुत सुखद संकेत है, साथ ही शहर समता की पूरी टीम की मेहनत का परिणाम है।मैं शहर समता अखबार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए चौबीसवें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई प्रदान करती हूँ ।

# शहर समता समाचार पत्र पर प्रयागराज की कवयित्रियों की प्रतिक्रियाएँ

**डा0 नीलिमा मिश्रा**

शहर समता समाचार पत्र के बारे में जब मैंने प्रयागराज की कवयित्रियों और रचनाकारों से बात की तो सभी ने शहर समता के प्रधान संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव की सहृदयता, उनके विज़न, और खास़तौर से सबको अखबार के साथ जोड़ने की पहल की भूरि- भूरि प्रशंसा की। कवयित्री ऋतंधरा मिश्रा का कहना है कि 'शहर समता कर रहा साहित्यिक विकास और महिला लेखन को दे रहा एक नया आयाम।' कवयित्री रेनू मिश्रा का कहना है कि 'शहर समता एक ऐसा अखबार है जिसने भारत देश के कोने-कोने से साहित्यकारों को खोजा और उनकी साहित्यिक सेवा से समाज को अवगत कराया। रचनाकारों की साहित्यिक सेवा व रचनाओं का निःशुल्क विशेषांक निकाला। निसंदेह कल युग में शहर समता अनवरत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। इस कार्य हेतु शहर समता के संपादक आदरणीय उमेश भाई जी को हार्दिक शुभकामनाएँ व बधाई।' कवयित्री चेतना प्रकाश 'चितेरी'का कहना है कि

शहर समता समाचार ने महिला विशेषांक निकाल कर महिलाओं पर ध्यान दिया है।जिससे जहाँ एक ओर महिला रचनाकार सशक्त हुई हैं, वहीं दूसरी ओर साहित्य व समाज को नई दिशा भी दे रही हैं। इस पुनीत कार्य के लिए उमेश जी को मैं बधाई देती हूँ ।

प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री जया मोहन का कहना है कि 'प्रयागराज में उमेश श्रीवास्तव द्वारा एक बिंदु के रूप शुरू हुआ शहर समता आज ऊंचाइयों को छू रहा है।यह शहर ही नहीं अन्य राज्यों की महिला साहित्यकारों को मंच प्रदान कर रहा है।मैं इसके स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई प्रेषित करती हूं।' लोक साहित्य की सशक्त हस्ताक्षर डा० गीता सिंह कहती हैं कि ' प्रयागराज से निरंतर प्रकाशित होने वाला शहर समता अखबार नगर का आइना हैं। खबरों का सजग प्रहरी।अखबार सभी सम सामयिक विषयों पर अपनी सूक्ष्म दृष्टि रखता है। साहित्य संस्कृति के प्रति भी अनन्य भाव से समर्पित है। नए पुराने सभी रचनाकारों को इसमें महत्व मिल ता है। रचनाकारों के लिए यह एक प्रतिष्ठित मंच है।'

**प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री जया मोहन का कहना है कि 'प्रयागराज में उमेश श्रीवास्तव द्वारा एक बिंदु के रूप शुरू हुआ शहर समता आज ऊंचाइयों को छू रहा है।यह शहर ही नहीं अन्य राज्यों की महिला साहित्यकारों को मंच प्रदान कर रहा है।मैं इसके स्थापना दिवस पर हार्दिक बधाई प्रेषित करती हूं।'**

छायावादी कवयित्री श्रीमती कविता उपाध्याय का कहना है कि ' शहर समता समाचार पत्र ने महिलाओं के आत्म सम्मान को बढ़ाया है। भारत के कई शहरों की महिलाएँ इससे जुड़ कर गौरवान्वित महसूस कर रही हैं और रचना के नए आकाश को छू रहीं हैं इसके लिए उमेश श्रीवास्तव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ । कवयित्री उर्वशी उपाध्याय का कहना है कि 'शहर समता समाचार पत्र ने दूर-दराज़ की महिला रचनाकारों को बहुत प्रोत्साहन दिया है और महिला काव्यमंच की स्थापना करके महिलाओं को व्यापक मंच और पहचान प्रदान की है इसके लिए उमेश श्रीवास्तव जी बधाई के पात्र हैं।'

## इक्कीसवीं सदी

इक्कीसवीं सदी की जो
शुरुआत हुई थी,
सन् दो हजार एक की,
वह बीस मई थी,
बाबू कन्हैयालाल के
मन की वो कल्पना,
जब शुरू हुई थी,
शहर समता की सर्जना,
जो अनवरत,
संघर्ष झेलते हुए बढ़ा,
जो गर्दिशों में,
हंसते, खेलते हुए बढ़ा,
सोलह सितंबर,
दो हजार चार से नियमित,
दैनिक संस्करण आज भी है,
शान से जीवित,
विविधा से जुड़े,शब्द
शिल्पा,गीत विशेषांक,
सम्पादित हो चुके,
एक सौ पैंतीस विशेषांक,
साहित्य,लोक,संस्कार,
का बना प्रतिदर्श,
खबरों का दस्तावेज,
लिए सार्थक विमर्श,
कर्तव्य निष्ठ पत्रकारिता का,
दस्तावेज,
समता,समानता का,
सुचिता का दस्तावेज,
समरस विचार,
भाव के बूते बढ़ा चला,
खलिहान,खेत,गांव,
सब छूते हुए बढ़ा,
इस भीड़ में अपनी
नई,पहचान बना कर,
अपने प्रयागराज का भी
मान बढ़ाकर,
खबरों के कायाकल्प के
विकल्प को लेकर।
जीवन्त है जो आज,
दृढ़ संकल्प को लेकर।।

**अशोक सिंह 'बेशरम'**

# शहर समता के बढ़ते कदम

**राष्ट्रीय अध्यक्ष**
**रचना सक्सेना की कलम से**

किसी भी समाज के उत्थान और पतन में उस समय वहाँ लिखे जाने वाले सहित्य का बहुत योगदान होता है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है, वह उस समाज के गुण दोषो की विवेचना तो करता ही है साथ ही समाज को सही दिशा भी प्रदान करता है। शहर समता विचार मंच एक साहित्यिक संस्था है जो कि प्रयागराज के शहर समता हिन्दी साप्ताहिक और दैनिक समाचार पत्र द्वारा संचालित होता है। इस समाचार पत्र के संपादक आदरणीय उमेश श्रीवास्तव जी के द्वारा निरन्तर की जा रही साहित्य सेवा न केवल प्रयागराज के लिए गौरवपूर्ण बात है बल्कि यह हमारे देश के लिए भी गौरवपूर्ण बात है और मैं रचना सक्सेना आपके द्वारा किये जा रहे इस नेक कार्य से जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।

शहर समता हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र साहित्य सेवा हेतु निशुल्क छः तरह के विशेषांकों का संपादन कर रहा है, जोकि समाज के वरिष्ठ साहित्यकारों एवं नवांकुर साहित्यकारों पर आधारित रहता है। जैसे - केन्द्रित विशेषांक, कवि और कविता विशेषांक, नवांकुर विशेषांक, विचार विमर्श विशेषांक, महिला काव्य गोष्ठी विशेषांक, एवं पुरुष काव्यगोष्ठी विशेषांक ।,

महिला काव्य गोष्ठी विशेषांक के प्रकाशन का शुभारंभ 2018 में किया गया और तब से निरन्तर देश के विभिन्न राज्यों से जुड़ने वाली विभिन्न महिला रचनाकारों की रचनाओ का समावेश किया जा रहा है। यह विशेषांक मुख्य रुप से देश के विभिन्न राज्यों में खुलने वाली महिला काव्यगोष्ठी इकाई की महिला रचनाकारों की रचनाओं पर आधारित है। शहर समता महिला काव्य गोष्ठी विशेषांक का मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा के विकास एवं प्रचार में संलग्न महिला साहित्यकारों को प्रकाश में लाना है। आज के आधुनिक युग में नारी ने हर क्षेत्र में अपनी पैठ बना ली है चाहे वह राजनीति हो या शिक्षा, चिकित्सा हो या खेल, सभी क्षेत्रों में नारी निरन्तर आगे बढ़ती जा रही है साहित्य का क्षेत्र भी उससे अछूता नही रह गया है। आधुनिक कवयित्रियों में महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान और सरोजनी नायडू अमृता प्रीतम के नाम इस क्षेत्र में हमेशा हमेशा के लिये अमर हो गये हैं। आज भी कुछ महिलाऐं बहुत अच्छा लिख रही है जिसमें से कुछ महिलाएं तो प्रकाश में आ जाती है किन्तु कुछ महिला रचनाकारों की लेखनी परिस्थितिवश रसोई और घर की चार दीवारी तक ही सीमित रह जाती है, जो लिख तो रही है किन्तु उनकी रचनाऐं उनकी डायरी तक ही सीमित रह कर घर के किसी ताक में रखी रह जाती है। शहर समता इस क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उसका कार्य सिर्फ महिला रचनाकारों की खोज करके उनकी रचनाओं का प्रकाशन करके उनकों प्रकाश में लाना ही नही है अपितु कुछ ऐसे अनमोल हीरों की खोज भी करना है जो ईटों के ढ़ेर में कहीं छुपे रहे जाते है। शहर समता का यह प्रयास काफी हद तक सफल रहा है और आशा है कि वह अपने इस कार्य में पूर्णतया सफल रहेगा।

जनवरी 2021 से शहर समता महिला काव्य गोष्ठी की इकाईयां का विस्तार कर रहा है और आज इसकी इकाईयाँ देश के विभिन्न राज्यों में जगह जगह खुल चुकी है, जिसमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, मेघालय, राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली आदि है वर्ष भर यह सभी इकाईयाँ खूब सक्रिय रही और इस बीच शहर समता को एक अच्छा सुअवसर मिला महिला रचनाकारों की रचनाओं का विश्लेषण करने का कि आखिर महिला रचनाकार क्या सोचती है उसका क्षेत्र कितना विस्तृत है और वह क्या लिख रही है और यह पाया कि महिला रचनाकारों का लेखन क्षेत्र वास्तव में पुरुष लेखक से कहीं अधिक विस्तृत है। महिला रचनाकार एक पुरुष से अधिक संवेदनशील होती है क्योंकि एक नारी का हृदय तो प्राकृतिक रुप से कोमल होता है तो जब महिला रचनाकार की बात आती है तो उसकी रचनाओं में उसकी संवेदनशीलता उसके भीतर की वेदना को बहुत गहराई और स्पष्टता के साथ व्यक्त होती दिखाई पड़ती है। जब विषय की बात पर चर्चा की जाती है तो वास्तव में शायद ही कोई ऐसा विषय रहा हो जो उससे अछूता रह गया हो। उसनें करीब - करीब हर महत्वपूर्ण विषयों पर कलम चलाई है। यदि विधाओं की बात करें तो उसने करीब - करीब गद्य और पद्य दोनों में ही सभी विधाओं पर लिखा। यदि गद्य में कहानी, उपन्यास, संस्मरण, आत्मकथा आदि लिखा है तो पद्य में गीत, गजल, दोहे, हाईकू, लिखने के साथ साथ भारतीय संस्कृति में प्रचलित लोकगीत,सोहर भजन आदि भी खूब लिखे है। अब बात आती है इन महिला रचनाकारों में से कुछ अनमोल हीरो को ढूढ़ कर निकालने की और इस कार्य में शहर समता काफी हद तक सफल होता दिखा है। वह उच्च स्तरीय लेखन करनें वाली महिला रचनाकारों को प्रोत्साहन हेतु महिला श्री साहित्य साधना सम्मान, सावित्री देवी स्मृति सम्मान, शहर समता गौरव सम्मान आदि देकर अपने उद्देश्य की ओर अग्रसर रहा है। सम्मान देकर महिला रचनाकारों की कलम को धार देने हेतु शहर समता ने 20 मई 2024 से अपने स्थापना दिवस के सुअवसर पर एक और नया सम्मान 'शहर समता साहित्य दीप सम्मान 'देने की भी घोषणा की है जिसके अंतर्गत देश भर से 21 महिला रचनाकारों को सम्मानित किया जाएगा। जैसाकि विदित है कि शहर समता साप्ताहिक अखबार पूर्ण रूप से साहित्य के लिये समर्पित है अतः शहर समता ने जनवरी 2024 से महिलाओं पर आधारित महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक में भी एक बड़ा बदलाव किया है जिसके अंतर्गत जनवरी माह से निकलने वाले महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक में चयनित सभी रचनाओं में से एक उत्कृष्ट रचना का चयन करके मुख्य पृष्ठ पर उस रचना को रचनाकार की फोटो के साथ प्रकाशित किया जाता है। साथ ही चयनित रचना को 500 रूपये का पारितोषिक भी दिया जाता है। इसके अन्तर्गत अभी तक बनारस से सुनीता जौहरी, कानपुर से श्रद्धा श्रीवास्तव सम्मानित हो चुकी है। पारितोषिक देकर महिला रचनाकारों को प्रोत्साहित करनें का कार्य वैसे तो शहर समता 2021 से कर रहा है जिसके अंतर्गत महिला श्री साहित्य साधना सम्मान से सम्मानित होने वाली महिला रचनाकार को 5000 हजार रु की राशि, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं शाल पहनाकर सम्मानित किया जाता रहा है जिसके अंतर्गत शिलाँग की डॉ अनिता पंडा, कानपुर से सीमा वर्णिका एवं 2023 में मुझे भी इस महत्वपूर्ण सम्मान से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

शहर समता ने महिला रचनाकारों की कलम को धार देने हेतु तो विशेष कार्य किया ही है साथ ही पुरुष साहित्यकारों के लिए भी अविस्मरणीय कार्य किया है। पुरुष साहित्यकारों को प्रकाश में लाने हेतु एवं नवांकुर रचनाकारों को प्रोत्साहित करने हेतु हर माह पुरुष काव्यगोष्ठी विशेषांक का भी प्रकाशन होता है जिसके अंतर्गत देशभर में खुली पुरुष काव्यगोष्ठी इकाईयों में होने वाली काव्यगोष्ठी की रचनाओं को शामिल किया जाता है।

इसमें कोई संदेह नही कि शहर समता ने साहित्य के विकास के लिये महत्वपूर्ण कार्य किया है। निरन्तर उसके बढ़ते कदमों का ही यह परिणाम है कि आज देश भर के साहित्यकार 'कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान ' जैसे महत्वपूर्ण सम्मान हेतु विभिन्न विधाओं में लिखी अपनी पुस्तकों को इस संस्था को भेजते है और सम्मानित होने वाले साहित्यकार इस सम्मान को प्राप्त करके गौरवान्वित महसूस करते है।

शहर समता निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है और उसके बढ़ते कदम निश्चय ही एक दिन उस मुकाम को हासिल कर लेगें जिस उद्देश्य को लेकर शहर समता शून्य से चला था। मैं शहर समता से जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ।

101/174 - A अलोपीबाग इलाहाबाद
पिन कोड - 211006

**शहर समता हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र साहित्य सेवा हेतु निशुल्क छः तरह के विशेषांकों का संपादन कर रहा है, जोकि समाज के वरिष्ठ साहित्यकारों एवं नवांकुर साहित्यकारों पर आधारित रहता है। जैसे - केन्द्रित विशेषांक, कवि और कविता विशेषांक, नवांकुर विशेषांक, विचार विमर्श विशेषांक, महिला काव्य गोष्ठी विशेषांक, एवं पुरुष काव्यगोष्ठी विशेषांक ।**

## हार्दिक शुभकामना

**शहर समता हिंदी साप्ताहिक ने २३ वर्ष पूरे कर लिए। इसके २४ वें वर्ष में प्रवेश के लिए हमारी अनंत शुभकामनाएं हैं। भाई उमेश जी के उत्साह, उनकी कर्मकता और उनकी लगन के कारण ऐसा संभव हुआ है। आगामी वर्ष इस समाचार पत्र का रजत जयंती वर्ष होगा। हम सभी अभी से ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि रजत जयंती वर्ष का आयोजन धूमधाम से मनाया जाए ।**

**-डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय**

## शहर समता - ब्यूरो प्रमुख

देहरादून ब्यूरो - निशा अतुल्य,
सतना ब्यूरो - डॉ ऊषा सक्सेना,
रीवां ब्यूरो - साधना तिवारी,
लखनऊ ब्यूरो - मंजु सक्सेना,
जबलपुर ब्यूरो - शैली सेठ,
लुधियाना ब्यूरो - श्रद्धा शुक्ला,
जौनपुर ब्यूरो - डॉ मधु पाठक,
हैदराबाद ब्यूरो -रीना प्रदीप कुमार,
भिलाई ब्यूरो - संध्या चंदेल,
गोरखपुर ब्यूरो - चित्रा श्रीवास्तव,
दिल्ली ब्यूरो - अफरोज़ अजीज,
तिनसुकिया गोलाघाट ब्यूरो - रंजना बिनानी,
प्रयागराज ब्यूरो - डॉ आकांक्षा पाल,
भीलवाड़ा ब्यूरो - डॉ राजमति पोखरना,
इंदौर ब्यूरो - आशा जाकड़,
शिलांग ब्यूरो - डॉ अनीता पंडा,
बिलासपुर ब्यूरो - स्मृति मिश्रा 'रीति,
रायपुर ब्यूरो - सीमा निगम,
कानपुर ब्यूरो - सीमा वर्णिका,
भोपाल ब्यूरो - दीपमाला तिवारी,
दमोह ब्यूरो- भावना शिवहरे,
मण्डला ब्यूरो - डॉ अर्चना जैन
बनारस ब्यूरो - सुनीता जौहरी,
आरा ब्यूरो - सिम्पल सिंह,
बिजनौर ब्यूरो - ऋतुबाला रस्तोगी,
पठानकोट ब्यूरो - क्षमा लाल गुप्ता,
सप्तरी नेपाल ब्यूरो - करुणा झा,
धम्तरी ब्यूरो - कामिनी कौशिक,
रामपुर ब्यूरो - चंद्रिका कुमार 'चांदनी',,
मुरादाबाद ब्यूरो - अभिव्यक्ति सिन्हा,
कटनी ब्यूरो - मीरा भार्गव,
पटना ब्यूरो - अंजू भारती

**शहर समता (हिन्दी साप्ताहिक ) के वार्षिक एवं तीन वर्षीय सदस्य बनें।**

**वार्षिक सदस्यता के लिए -200/-** **तीन वर्षीय सदस्यता के लिए -500/-**

**कृपया 'शहर समता' के नाम से चेक या आनलाइन भेज सकते है।**
IFSC Code- PUNB0100120 A/c.-1001050011592

व्यवस्थापक
शहर समता (हिन्दी साप्ताहिक)
289/238 ए (अनंत भवन) कर्नलगंज ,इलाहाबाद-211002

पीडीफ़ के लिए
shaharsamta.blogspot.com
पर जाएँ ।

**संरक्षक**
स्व0 कन्हैया लाल, स्व0 साधना श्रीवास्तव

सम्पादक
*उमेश चन्द्र श्रीवास्तव*
आरएनआई नं0 UPHIN/2001/3996

उप संपादक
डा0 अरूण कुमार मिश्रा
रचना सक्सेना

Mo. 9005239332 Email-shaharsamta@gmail.com

स्वत्वाधिकारी/मुद्रक/प्रकाशक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा इण्डियन प्रेस (पलि.) प्रा0लि0, 36 पन्ना लाल रोड, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, (अनन्त भवन) कर्नलगंज, इलाहाबाद से प्रकाशित।

इस अंक के प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा समस्त विवादों का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में ही होगा।

# स्थापना दिवस समारोह
# 20 मई 2024


शहर समता
आपदाओं को लेकर एक वैश्विक, मानवीय दृष्टिकोण की जरूरत : मोदी
शहर समता
शहर समता
अमित शाह ने माणसा में कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया
शहर समता
साहित्य में होली
शहर समता
शहर समता
काजल की कोठरी है राजनीति : डॉ.नामवर सिंह
शहर समता
बहुमुखी प्रतिभा के धनी योगेन्द्र कुमार मिश्र
शहर समता
हिंदी नाटक की यात्रा के अविस्मरणीय क्षण
शहर समता

## शहर समता के बढ़ते कदम